Title: Need to extend gas pipe line upto Moradabad keeping in view the interests of workers engaged in brass industry − laid.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर): मुरादाबाद के पीतल उद्योग में हजारों की संख्या में दस्तकार लगे हुए हैं जो लम्बे समय से पीतल की दस्तकारी करके अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत के कुल हस्तशिल्प का 37.8 प्रतिशत निर्यात इन्हीं लोगों के माध्यम से होता है। अगर इनकी समस्याओं के समाधान का समुचित प्रयास किया गया होता तो आशा से कहीं अधिक निर्यात में वृद्धि होती

इनकी और भी मूल समस्याओं हैं जैसे पर्यावरण से संबंधित प्रदूाण की। कोयले की भट्टियों में पीतल गलाने से उठने वाले धुंआ एवं गैस से दस्तकारों को फेफड़े से संबंधित अनेक बीमारियां एवं तपेदिक बीमारियां हो जाती हैं। मुरादाबाद से कुछ दूर तक गैस पाईप लाईन **डिबाई** तक पड़ी हुई है। मेरा सुझाव है कि इस गैस पाईप लाईन को मुरादाबाद तक बढ़ा कर डाल दिया जाये जिससे उद्यमी कोयले के स्थान पर गैस का प्रयोग पीतल गलाने में कर सकें। इसके प्रयोग से पर्यावरण की समस्या नहीं रहेगी तथा दस्तकारों का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

सबसे प्रमुख समस्या कच्चे माल को लेकर है जो कच्चा माल डिफेंस, रेलवे, संचार एवं पैट्रोलियम डिपों आदि से निकलता है उसे बिचौलियों को नीलाम करने के बजाय आबंटन के आधार पर इन उद्यमियों को दे दिया जाये।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इन उद्यमियों तथा दस्तकारों की समस्याओं का निदान शीघ्र किया जाये।